ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-६८
दिनांक-शुक्रवार,१३ दिसम्बर,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २५.० एवं ११.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.२ एवं दोपहर में २३.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में ५.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१४-१८ दिसम्बर,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १४-१८ दिसम्बर,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- १४ दिसंबर तक उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। १४ दिसंबर के दोपहर तक हल्की वर्षा होने की संभावना बनी रहेंगीं। इसके बाद आसमान प्रायः साफ एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। रात्री एवं सुबह में हल्के से मध्यम कुहासे छा सकते है।
- अधिकतम तापमान २२ से २३ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ यह ६ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार १४ दिसंबर में पुरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्त्तमान में उत्तर बिहार में रुक-रुक कर वर्षा हो रही है जिससे खेतो में प्रर्याप्त नमी आ गयी है। नमी का फायदा उठाते हुए किसान भाई को खड़ी रबी फसलों जैसे आलू, गेहूँ, मक्का, लहसुन, मटर एवं चारा की फसल बरसीम एवं लुसर्न में नत्रजन उर्वरक के व्यवहार करने सलाह दी जाती है।
- गेहुँ की २१-२५ दिनों की फसल में प्रति हेक्टेयर ३० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई प्राथमिकता से करें। किसान भाई पिछात गेहूँ की बुआई के लिए खेत की तैयारी में उर्वरक की मात्रा समयकालीन गेहुँ की अपेक्षा घटाकर ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम फॉसफोरस एवं २० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें तथा बीज की मात्रा को बढ़ाकर छिटकबाँ विधि से प्रति हेक्टेयर १५० किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १२५ किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। इस क्षेत्र के लिए *पी०बी०डब्लू० ३७३, एच०डी० २२८५, एच०डी० २६४३, एच०यू०डब्लू० २३४, डब्लू०आर० ५४४, डी०बी०डब्लू० १४, एन०डब्लू० २०३६, एच०डी० २९६७ तथा एच०डब्लू० २०४५* किस्में अनुशसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। गेहूँ की जिन खेतों में दीमक का प्रकोप रहता हो, वैसे किसान दीमक से बचाव के लिए क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ लीटर मात्रा बालू में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
- अगात बोयी गई गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई के बाद (रोपाई के ३० से ३५ दिन में) कई प्रकार के खर-पतवार उग आते है। जिनका विकास काफी तेजी से होता है और जो गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्रम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- आलू की फसल में निकौनी करें। निकौनी के बाद प्रति हेक्टेयर ७५ किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन कर आलू में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आलू में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- अगात बोयी गई रबी मक्का की ५०-५५ दिनों की फसल में ५० किलोग्राम नत्रजन का उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। करें। फसल में नियमित रुप से कीट एवं रोग-व्याधी की निगरानी करें।
- लहसुन की फसल में निकाई-गुराई कर नेत्रजन उर्वरक का उपरिवेशन करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- प्याज के ५०-५५ दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। इसके लिए खेत को समतल कर छोटी-छोटी क्यारियाँ बनावें। क्यारियों का आकार, चौड़ाई १.५ से २.० मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-५ मीटर रखे। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकासी के लिए नाले अवश्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में १५ से २० टन गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास तथा ४० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। पिछात प्याज की पौधशाला से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- दुधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष घ्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें। निम्न तापमान के कारण दुधारु पशुओं के दुध में आयी कमी को दूर करनें के लिए नियमित रुप से दाने के साथ कैल्सियम खिलायें। पशुओ को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः २३.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १२.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.९ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी